

178



श्री. मन्मथ शर्मा R-2208-11/05

e.FPS187
15/20/05

14 नवम्बर 2005
NOV

समक्ष माननीय राजस्व मण्डल ग्वा लियर केम्प, सागर

अजित कुमार तनय प्रेमचंद जैन उर्फ कन्नूलाल जैन,
साकिन लौडी हाल निवासी दुधना कालोनी छतरपुर
तहसील व जिला छतरपुर इ. म. प्र. इ

— रिवीजनकर्ता

आपुका कर्मिका

बनाम

सागर से प्रेषित
22/12/05

चंदनमाला पुत्री महेन्द्र कुमार जैन,
साकिन- कटहरा तहसील लौडी,
जिला छतरपुर इ. म. प्र. इ

— अनावेदिका

रिवीजन अन्तर्गत धारा 50 म. प्र. भू राजस्व संहिता

श्री. मन्मथ शर्मा द्वारा प्रस्तुत।
कार्यालय कमिश्नर, सागर संभाग,
सागर (म. प्र.)

उपरोक्त नामांकित रिवीजनकर्ता न्याय
श्रीमान् कमिश्नर महोदय, सागर संभाग सागर के आदेश
20/9/2005 जो उन्होंने अपील प्रकरण क्रमांक 278-अ/6
2002-2003 पक्षकारान् चंदनमाला विरुद्ध अजित कुमार
किया है, उससे दृष्टित होकर निम्न तथ्यों एवं आधारों
अन्य आधारों पर अपनी यह निगरानी इस सम्माननीय
में प्रस्तुत कर रहा है :-

प्रकरण के तथ्य

52
25/11/05

1. यह कि, प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य इस
कि, अनावेदिका चंदनमाला ने ग्राम लौडी तहसील लौडी
छतरपुर के आराजी खसरा नम्बर 735/4/1 रकबा 0.0
को निगरानीकर्ता अजित कुमार के पास दिनांक 11/2/

3
[Signature]

न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश, ग्वालियर
अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

करण कमांक निगरानी 2208-दो/2005

जिला छतरपुर

आजत कुमार

विरुद्ध चंदनमाला

कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं
अभिभाषकों के
हस्ताक्षर

स्थान तथा
दिनांक

19-8-2019

आवेदक की ओर से कोई उपस्थित नहीं। अनोवदक अभिभाषक श्री सुनील सिंह जौदान उपस्थित। उनके द्वारा तर्क किया कि इस प्रकरण में व्यवहार न्यायालय से अंतिम आदेश हो चुका है। अब इस निगरानी के प्रचलन का कोई औचित्य शेष नहीं है।

2/ प्रकरण का अवलोकन किया। यह निगरानी अपर आयुक्त सागर के आदेश 20-9-2005 के विरुद्ध प्रस्तुत की गई थी। अनावेदक की ओर से इन्हीं पक्षकारों के मध्य एवं इसी विवादित भूमि से संबंधित वाद व्यवहार न्यायालय कमांक 21ए/2006 में प्रस्तुत किया गया था। उक्त व्यवहारवाद में दिनांक 28-3-2009 को अंतिम आदेश पारित कर दिया गया है, जिसकी छायाप्रति प्रकरण में संलग्न है। इस निगरानी प्रकरण में आवेदक की ओर से कोई उपस्थित नहीं हो रहा है और व्यवहार न्यायालय से अंतिम आदेश हो चुका है। ऐसा प्रतीत होता है कि आवेदक प्रकरण को प्रकरण के संचालन में रुचि नहीं है। फलस्वरूप यह निगरानी इसी स्तर पर समाप्त की जाती है। पक्षकार सूचित हो। प्रकरण दाखिल रिकार्ड हो।

(जे 0/0 जैन)
सदस्य